Run by: *New Akanksha Shiksha Samiti*

Dr. RADHAKRISHNAN COLLEGE OF EDUCATION

(Recognised by N.C.T.E., Sate Govt. & Affiliated to R.D.V.V. Jabalpur)

Patan Road Near NEW RTO Karmeta, Jabalpur (M.P.)-482002

Phone: 0761-2682004, Website: www.radhakrishnanedu.com

Email: rkce@yahoo.com / choube_abhi27@yahoo.in

DVV 3.3.1

Average number of outreach activities organized by the institution during the last five years.

Total number of outreach activities organized by the institution during the last five years

DVV Query

- Report of each outreach activity organized along with video/ photographs with seal and signature of the Principal

Institution Response

Report of each outreach activity with photograph and seal and signature of the Principal

PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of
Education Karmeta, Jabalpur

डॉ. राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन

स्वच्छता सप्ताह (21-26 फरवरी)
विषय: स्वच्छता रंगोली प्रतियोगिता

दिनांक: 22/2/22

डॉ राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन के द्वारा स्वच्छता सप्ताह के अंतर्गत आज दिनांक 22/2/2022 को **स्वच्छता रंगोली प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। स्वच्छता सप्ताह अभियान अपने आप में एक अनूठा अभियान है।

इस प्रतियोगिता का शुभारंभ 12 बजे से किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के सभी शिक्षक गण भी उपस्थित थे। इस स्वच्छता सप्ताह प्रतियोगिता का उत्साह केवल विद्यार्थियों में ही नहीं शिक्षकों में भी दिखा। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के बी.एड, एम.एड एवं डी.एल.एड के विद्यार्थियों ने बहुत उत्साह एवं लगन के साथ भाग लिया।

स्वच्छता सप्ताह के अंतर्गत हर प्रतियोगिता का आयोजित करने का मुख्य लक्ष्य है, प्रत्येक समाज का नागरिक के घर, आँगन, सड़क, आसपास का वातावरण

डॉ॰ राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन

स्वच्छता रंगोली प्रतियोगिता

दिनांक 22/02/2022

स्वच्छता रंगोली प्रतियोगिता

डॉ. राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन

रंगोली प्रतियोगिता

प्रतिभागियों के नाम

1.	दिव्या मोदी	बी. एड. प्रथम वर्ष
2	श्वेता सोनी	बी. एड. प्रथम वर्ष
3.	अर्पणा नामदेव	बी. एड. प्रथम वर्ष
4.	मानसी राठौर	बी. एड. प्रथम वर्ष
5.	आंचल प्रसाद	बी. एड. प्रथम वर्ष
6.	शिवानी पटेल	बी. एड. प्रथम वर्ष
7.	मेदनी पटेल	बी. एड. प्रथम वर्ष
8.	सवीना कुकरेजा	बी. एड. प्रथम वर्ष
9.	कार्तिका जैन	बी. एड. प्रथम वर्ष
10	शालिनी पटेल	बी. एड. द्वितीय वर्ष
11	दिव्यानी पाण्डे	बी. एड. द्वितीय वर्ष
12	संगीता कोरी	बी. एड. द्वितीय वर्ष
13	वर्षा ठाकुर	बी. एड. द्वितीय वर्ष
14	लक्ष्मी पटेल	बी. एड. द्वितीय वर्ष
15	कीर्ति सिंह	बी. एड. द्वितीय वर्ष
16	धारणा रैकवार	बी. एड. द्वितीय वर्ष
17	एन. सी. वी.	बी. एड. द्वितीय वर्ष
18	रितु ठाकुर	बी. एड. द्वितीय वर्ष
19	प्रवीना पटेल	बी. एड. द्वितीय वर्ष
20	अंतिमा अग्रवाल	एम. एड. प्रथम वर्ष
21.	जयलक्ष्मी	एम. एड. प्रथम वर्ष

22	रिया साहू	एम. एड. प्रथम वर्ष
23	शेखावी मेहरा	डी. एल. एड. प्रथम वर्ष
24	आयुषी अग्रवाल	डी. एल. एड. द्वितीय वर्ष
25	पूजा श्रीवास्तव	डी. एल. एड. द्वितीय वर्ष

विजेता प्रतिभागियों के नाम :

प्रथम स्थान — दिव्या सोधी

द्वितीय स्थान — संगीता कौरी, लवीना कुकरेजा

तृतीय स्थान — जय शर्मा

PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of
Education Karmeta, Jabalpur

डॉ राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन

रिपोर्ट

विषय ⇒ "सहजयोग आज का महायोग" पर आधारित प्रशिक्षण कार्यशाला

दिनांक ⇒ 19.12.22 से 21.12.22

समय ⇒ 1:00 - 2:00 P.M.

डॉ राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन के तत्वाधान में महाविद्यालय में दि. 19.12.22 से 21.12.22 तक परमपूज्या माताश्री निर्मलादेवी द्वारा निर्मित "सहजयोग आज का महायोग" की प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन योग प्रशिक्षकों द्वारा किया गया। जिसमें कार्यक्रम का शुभारंभ महा. की प्राचार्या डॉ भावना सोनेजी द्वारा किया गया। जिसमें महाविद्यालय के सभी व्याख्याताओं एवं एम.एड, बी.एड, डी.एल.एड के सभी विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

इसमें प्रशिक्षकों द्वारा ध्यान करना, ध्यान के द्वारा कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्म साक्षात्कार की प्राप्ति का अनुभव कराया गया। जिसके कारण विद्यार्थियों में एकाग्रता स्मरणशक्ति रचनात्मकता के गुणों का विकास करने की प्रक्रिया का अवसर मिला। आज सभी चिंता

सहजयोग प्रशिक्षण कार्यशाला

दिनॉक: 19/12/22 से 21/12/22

समय : 1:00 - 2:00 P.M

NCIPAL

अवसाद, थकान आदि कई मानसिक समस्याओं से ग्रसित हैं। इन्हें सहजयोग द्वारा आसानी से दूर किया जा सकता है।

योग प्रशिक्षकों द्वारा सहजयोग के निम्न सूत्र बताये गये ⇒

1. स्वयम से संबद्धता
2. स्वयम का भान
3. मन की शांति
4. मन में पुनः स्फूर्ति

इस प्रकार सहजयोग द्वारा विद्यार्थियों में एकाग्रता, स्मरणशक्ति, रचनात्मकता के गुणों का विकास कैसे किया जाये यह प्रशिक्षकों द्वारा सिखाया गया। एवं सभी टीचर्स द्वारा व्यक्तिगत, पारिवारिक, व्यवसायिक जीवन में संतुलन बनाते हुये कैसे कार्य करें यह सहजयोग के प्रशिक्षण द्वारा सीखा गया। और कार्यशाला का उद्देश्य जीवन को आनंदमय रूप में जीना सिखाना था जोकि महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा एवं सभी स्टाफ मेंबर्स द्वारा प्रशिक्षित होना इस उद्देश्य की सार्थकता रही।

PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of
Education Karmeta, Jabalpur

डॉ. राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन

"मतदान हेतु जागरूकता की आवश्यकता"

भाषण एवं कविता प्रतियोगिता 13-10-18

आज दिनांक 13-10-18 को डॉ राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन में "मतदान हेतु जागरूकता की आवश्यकता" विषय पर कविता/भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सभी विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर मतदान हेतु जागरूक होने का परिचय दिया। महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों सहित समस्त शिक्षक गण भी शामिल हुऐ। इस प्रतियोगिता का प्रमुख उद्देश्य मतदान हेतु अधिक से अधिक संख्या में लोगों को जागरूक करना था।

इस प्रतियोगिता का प्रारंभ प्रातः 11 बजे किया गया। इस प्रतियोगिता को महाविद्यालय के संचालक श्री अभिषेक चौबे जी, संचालिका श्रीमती कृष्णा चौबे जी तथा प्राचार्या श्रीमती डॉ भावना सोनेजी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इसमें महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण श्रीमती ममता तिवारी, श्रीमती सुधा पाली श्रीमती स्वाति श्रीवास्तव, श्रीमती प्रीति विश्वास, श्रीमती मधु मिश्रा, श्रीमती मनीषा सोनी, कु. शुभी शर्मा, तथा श्री विनोदसभी उपस्थित रहे। और इस प्रतियोगिता में शामिल होकर विद्यार्थियों को मतदान की उपयोगिता से संबंधित

अनेक महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

इस प्रतियोगिता का प्रारंभ मध्यविद्यालय के संचालक श्री अभिषेक चौबे जी के उद्बोधन से प्रारंभ हुआ उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि, हम सब जानते हैं कि भारत एक प्रजातांत्रिक देश है, आज भारत में दूसरे देशों से सबसे ज्यादा युवा बसते हैं। युवावर्ग जिसमें 18 से 40 वर्ष तक के लोग शामिल होते हैं। यह एक ऐसा वर्ग होता है जो शारीरिक और मानसिक रूप से सबसे ज्यादा ताकतवर है। और अपने मत का प्रयोग कर अपने देश को एक अच्छी उन्नति की ओर ले जाने वाली दिशा में ले जा सकता है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता को यह जानना जरूरी है कि, उसके मत से ही देश और राज्य के साथ-साथ गांव की सरकारें भी बनती हैं। मतदाता लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। लेकिन अपने बहुमूल्य मत की ताकत को नहीं जानने के कारण मतदाता स्वतंत्र मतदान नहीं कर पा रहे हैं। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, यहां मतदाता द्वारा ही सरकार चुनी जाती है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को मत प्रयोग करना चाहिए तथा इसकी ताकत को जानना जरूरी है। तथा जागरूकता कार्यक्रम कराने का प्रमुख

उद्देश्य यही है कि, ज्यानेवाले समय में मतदाता निर्भीक होकर बिना लालच के अपने मत का प्रयोग करे और देश के विकास में अपना योगदान प्रदान करें। श्री अभिषेक चौबे जी ने कहा कि, समस्त विद्यार्थी अपने माता-पिता सहित आस-पड़ोस के लोगों को भी मतदान के प्रति जागरूक करें। क्योंकि लोकतंत्र में एक-एक वोट मूल्यवान है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को मतदान के प्रति सजग रहना होगा।

कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए समस्त शिक्षकों तथा विद्यार्थियों ने महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती डॉ भावना सोनी जी से अनुरोध किया कि, वे अपने अनमोल विचारों से हमें अवगत कराएँ। विद्यार्थियों के इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए प्राचार्या जी ने कहा कि, हम सभी जानते हैं कि, सरकार ने 2011 से हर साल 25 जनवरी को "राष्ट्रीय मतदाता दिवस" के रूप में मनाने का फैसला किया। इस दिन का उद्देश्य युवा भारतीय मतदाताओं को लोकतांत्रिक राजनैतिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह भारतीय लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण दिन है। इस तरह के कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य नए मतदाताओं को पंजीकृत करने के साथ-साथ मतदान की अनिवार्यता के प्रति लोगों को जागरूक करना भी है। जानकारी के अभाव में एक बड़ा भाग

मतदान के उद्देश्य से वंचित है, कुछ लोग दुष्प्रचार के कारण मतदाताओं को दिग्भ्रमित करने में भी सफल हो रहे हैं और मतदाता अपने मत की कीमत पैसे में लगा रहे हैं। यह लोकतंत्र के लिए खतरा है। इसका प्रमुख कारण जागरूकता का अभाव है। आज देश के युवा वर्ग में राजनीति के प्रति उदासीनता बढ़ती जा रही है। भारत में राजनीति का माहौल दिन ब दिन बिगड़ रहा है और अत्यंत दुख की बात यह है कि, आज का युवा कितना ही पढ़ लिख गया हो परंतु अपने संस्कार व देश और परिवार के प्रति जिम्मेदारियों को दिन-प्रतिदिन भूलता जा रहा है। आज देश को ऐसे युवाओं की जरूरत है जो जागरूक हो तथा देश में क्रांति ला सके।" मतदान से सम्बन्धित इन महत्वपूर्ण जानकारियों को छात्रों ने ध्यान पूर्वक सुना और मतदान की उपयोगिता को समझा।

प्राचार्या जी के इस कथनों के बाद भाषण व कविता प्रतियोगिता का प्रारंभ हुआ। जिसमें बी.एड. एवं डी.एल.एड के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का संचालन बी.एड द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा रूपाली कौशल ने किया। इस प्रतियोगिता में सर्वप्रथम सुलेखा ने अपने भाषण के माध्यम से अपने विचार

व्यक्त किए, और मतदान के लिए प्रत्येक युवा वर्ग को सजग व जागरूक होना चाहिए। इसके पश्चात डी.एड प्रथम वर्ष के छात्र प्रभात ने अपनी कविता "मत है अनमोल" के माध्यम से एक मत की उपयोगिता को समझाने का प्रयास किया। तथा मतदान के लिए लोगों से अपील की। प्रतियोगिता के अगले चरण में बी.एड की छात्रा ने अपने भाषण में कहा कि हम सभी विद्यार्थी युवा वर्ग में आते हैं, सन् 1988 में 61 वें संविधान संशोधन द्वारा मताधिकार हेतु 18 वर्ष की आयुसीमा निर्धारित की गई ताकि अधिकाधिक लोग शासन व्यवस्था में भाग ले सकें। आज भी 50% लोग अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं करते। आज प्रश्न यह है कि 68 वर्ष पुरानी हो चुकी लोकतांत्रिक पद्धति के बावजूद मतदाताओं को जागरूक करने के लिए अलग से जागरूकता दिवस और विभिन्न प्रतियोगिताओं व आयोजनों की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। और क्या इस तरह के कार्यक्रमों से मतदाता जागरूक हो जाएंगे? मतदान के प्रति उदासीनता निर्वाचन आयोग के लिए चिंता का विषय बन चुकी है। इसी वजह से मतदाता को उसकी मत की शक्ति से वाकिफ कराने के लिए देशभर में समस्त विद्यालयों और महाविद्यालयों में इस तरह की प्रतियोगिताएं व कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ताकि युवा वर्ग अपनी मत की

शक्ति को पहचानें और उसका सही उपयोग करें। बी.एड की दुर्गेश्वरी विश्वकर्मा ने अपने इस भाषण से छात्रों को मतदान की आवश्यकता व जागरूकता के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। इसके पश्चात् डी.एड प्रथम वर्ष के छात्र रवि पटेल एक कविता प्रस्तुत की जिसमें वोट की उपयोगिता को बताया गया। अंत में बी.एड द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा नम्रता नेमा ने मतदान हेतु जागरूकता की आवश्यकता पर अपने विचार भाषण के रूप में प्रस्तुत किए और कहा कि, हम एक लोकतांत्रिक देश के स्वतंत्र नागरिक हैं, लोकतांत्रिक प्रणाली के तहत जितने अधिकार नागरिकों को मिलते हैं उनमें सबसे बड़ा अधिकार वोट देने का अधिकार होता है। इस अधिकार को पाकर हम मतदाता कहलाते हैं। वही मतदाता जिसके पास यह ताकत होती है कि, वो सरकार बना सकता है और गिरा भी सकता है और वह स्वयं योग्य होते हुए सरकार बन भी सकता है। मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों से देश में लोकतंत्र की ताकत और राष्ट्रनिर्माण में लोगों का योगदान बढ़ेगा। प्रतियोगिता को आगे बढ़ाते हुए बी.एड प्रथम सेमेस्टर की छात्रा ने कहा कि, एक स्वच्छ व मजबूत सरकार का निर्माण तभी संभव है जब मतदाता अधिकाधिक संख्या में मतदान करें। आज जनता को झूठे वादे करने वाला जनप्रतिनिधि नहीं चाहिए बल्कि,

अतः एक देश को जनप्रतिनिधि चाहिए जो सचमुच मतदाताओं की अपेक्षाओं पर खरा उतरे और अपने निर्वाचन-क्षेत्र तथा राष्ट्र के हित में कार्य कर सके। इसी में लोकतंत्रात्मक शासन प्रणाली की सफलता निहित है।

प्रतियोगिता के अंतिम चरण में समस्त प्रतियोगी विद्यार्थियों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नीलम पटेल ने द्वितीय स्थान प्रियंका चौबे तथा तृतीय स्थान शशि झारिया ने ग्रहण किया। इस प्रतियोगिता की निर्णायक महाविद्यालय की संचालिका श्रीमती कुरुणा चौबे जी एवं प्राचार्या श्रीमती डॉ भावना सोनेजी रही। उन्होंने प्रतियोगिता विजेता छात्राओं को बधाई दी तथा कहा कि हम सभी को आज यह शपथ लेनी चाहिए कि हम अपने मत का अधिकार अवश्य करेंगे तथा देख समझकर योग्य व्यक्ति को अपना मत देंगे ताकि एक शिक्षित प्रगतिशील समाज व देश की स्थापना हो सके।

कार्यक्रम के अंत में समस्त विद्यार्थियों ने यह शपथ ली कि वे किसी प्रलोभन में न फंसते हुए अपने वोट का प्रयोग स्वविवेक

के आधार पर पूर्ण निष्पक्षता एवं निष्ठा के साथ करेंगे। इस शपथ के साथ ही बी.एड की छात्रा ख्याति कोष्ठा ने सभी का आभार प्रदर्शन किया और इस तरह इस प्रतियोगिता का सफलता पूर्वक समापन किया गया।

PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of Education Karmeta, Jabalpur

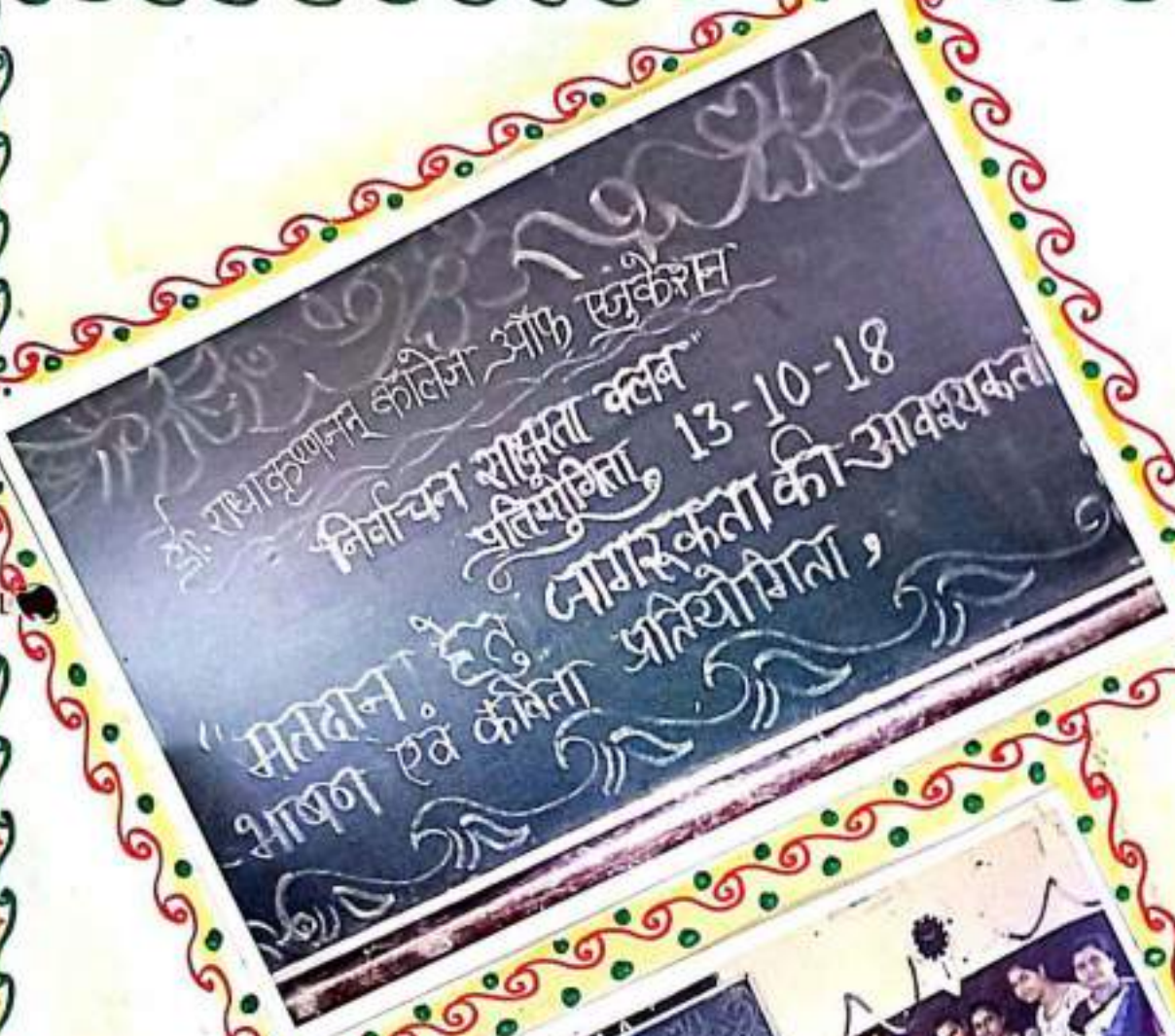

डॉ. राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन
"निर्वाचन साक्षरता क्लब"
प्रतियोगिता 13-10-18
"मतदान हेतु जागरूकता की आवश्यकता
भाषण एवं कविता प्रतियोगिता,

"मतदान हेतु जागरूकता की आवश्यकता"

कविता एवं भाषण प्रतियोगिता

13-10-18